विश्व हिंदी दिवस रिपोर्ट

दिनांक 10 जनवरी 2025

हिंदी को जीवन की भाषा बनाओ। यह केवल बोलचाल की भाषा नहीं, बल्कि विचारों की अभिव्यक्ति की भाषा है

- मुंशी प्रेमचंद

इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल स्टडीज ने **10 जनवरी 2025 को विश्व हिंदी दिवस** हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया। यह आयोजन संस्थान की प्रधानाचार्य डॉ. मंदिरा गुप्ता के मार्गदर्शन में हुआ, जिनके नेतृत्व ने इस अवसर को न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव बल्कि एक शैक्षणिक अनुभव भी बना दिया। विश्व हिंदी दिवस का उद्देश्य हिंदी भाषा का प्रचार व प्रसार करना है अभी तो इसको विश्व स्तर पर भी लाना है। जिस प्रकार साल 2025 में विश्व हिंदी दिवस का थीम है **–''एकता और सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक आवाज "** इसी प्रकार हमारा उद्देश्य भी भाषाओं और अंतरराष्ट्रीय लेन-देन के लिए हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम की शुरुआत गतिविधि से हुई, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने न केवल अपने कलात्मक कौशल का प्रदर्शन किया बल्कि हिंदी भाषा की महत्ता और उसकी सांस्कृतिक धरोहर को भी बखूबी प्रदर्शित किया। बोर्ड पर हिंदी के प्रेरक उद्धरण, महत्वपूर्ण कहावतें और साहित्यिक उदाहरणों को रचनात्मक तरीके से प्रदर्शित किया गया, जो हिंदी भाषा के प्रति छात्रों की गहरी समझ और सम्मान को दर्शाता है। इसके बाद के छात्रों द्वारा पोस्टर बनाना**, स्लोगन लेखन** में भाग लिया। उनके स्लोगन हिंदी भाषा के महत्व, राष्ट्रीय एकता में इसके योगदान और मातृभाषा के प्रति प्रेम को उजागर करते थे। यह गतिविधि न केवल छात्रों की भाषा कौशल को बढ़ाने का माध्यम बनी, बल्कि उनमें हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता और गर्व की भावना को भी प्रबल किया। पोस्टर निर्माण गतिविधि में भी छात्रों ने भाग लिया। पोस्टरों में हिंदी के सांस्कृतिक और साहित्यिक योगदान को दर्शाया गया और इसे भविष्य में संरक्षित करने के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया गया। छात्रों के द्वारा बनाए गए पोस्टरों में उनकी गहन समझ और रचनात्मकता की झलक दिखाई दी, जिसने इस गतिविधि को और भी प्रभावशाली बना दिया। गतिविधियों के दौरान छात्रों ने हिंदी भाषा की महत्ता को समझा और इसे राष्ट्रीय और सांस्कृतिक एकता केप्रतीककेरूपमेंअपनानेकासंकल्पलिया।

डॉ. मंदिरा गुप्ता ने अपने उद्घाटन संबोधन में हिंदी भाषा की समृद्ध विरासत, उसकी वैश्विक पहचान और शिक्षा में इसके महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं

है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, सभ्यता और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है। उन्होंने छात्रों को हिंदी भाषा के संरक्षण और इसे भविष्य की पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की सफलता का श्रेय प्राचार्य डॉ. मंदिरा गुप्ता के कुशल नेतृत्व और सभी शिक्षकों व छात्रों के सामूहिक प्रयासों को जाता है। यह आयोजन एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।